संपादकीय

यहां भी दो गुट

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और केंद्र सरकार के बीच बढ़ता मतभेद दुर्भाग्यपूर्ण है। समय रहते इसे सुलझा लेने की जरूरत है। दोनों के बीच असहमति उस वक्त उजागर हुई जब आरबीआई के डिप्टी गवर्नर विरल आचार्य ने मुंबई में अपने एक भाषण में कहा कि केंद्रीय बैंक की स्वायत्तता कमजोर पड़ी तो उसके खतरनाक परिणाम सामने आएंगे। इससे कैपिटल मार्केट्स में संकट खड़ा हो सकता है, जहां से सरकार भी कर्ज लेती है।

इसके बाद वित्त मंत्री अरुण जेटली ने एक कार्य म में रिजर्व बैंक की जमकर आलोचना करते हुए कहा कि 2008 से 2014 के बीच बैंक मनमाने ढंग से कर्ज दे रहे थे तो रिजर्व बैंक इसकी अनदेखी करता रहा। वह शायद विरल आचार्य के बयान से नाराज थे। लेकिन आचार्य की बातों में लंबे समय से जमा हो रहे आ ोश को अभिव्यक्ति मिली थी। रिजर्व बैंक में पिछले कुछ समय से सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है, तभी तो उसके कर्मचारियों ने भी अपने डिप्टी गवर्नर का समर्थन किया।

आचार्य के भाषण के बाद मीडिया में अनेक स्रोतों से यह बात सामने आ गई है कि आरबीआई और सरकार में कई मुद्दों पर तकरार है। सरकार चाहती है कि आरबीआई नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनीज (एनबीएफसी) के नगदी संकट को दूर करने के लिए कोई कदम उठाए। वह खस्ताहाल बैंकों के लिए प्रॉम्प्ट करेक्टिव एक्शन (पीसीए) की व्यवस्था में भी ढील चाहती है। सरकार रिजर्व बैंक के खजाने से ज्यादा पैसा चाहती है, जो उसको मंजूर नहीं है। इस तरह के मतभेद हर जगह उठते रहते हैं और इन्हें आपसी संवाद से दूर किया जा सकता है, लेकिन समस्या की जड़ें कहीं और हैं।

दरअसल सरकार ने अपने राजनीतिक उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए संघ समर्थक अर्थशास्त्रियों को आरबीआई के निदेशक मंडल में अस्थायी सदस्यों के रूप में मनोनीत किया है। इनमें स्वदेशी जागरण मंच के प्रमुख थिंक टैंक एस. गुरुमूर्ति भी शामिल हैं। गुरुमूर्ति चाहते हैं कि सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों यानी एमएसएमई को ज्यादा कर्ज मिले और ऋण की शर्तें आसान की जाएं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी कई मौकों पर एमएसएमई पर खास ध्यान देने की बात करता रहा है। उसकी कई और प्रस्थापनाओं को गुरुमूर्ति रिजर्व बैंक के जरिए अमल में उतारना चाहते हैं।

सरकार द्वारा नियुक्त कुछ अन्य अस्थायी सदस्य, जैसे सतीश मराठे, रेवती अय्यर और सचिन चतुर्वेदी भी इन मुद्दों का समर्थन करते हैं, जबकि स्थायी सदस्य इसके खिलाफ हैं। इस तरह आरबीआई के निदेशक मंडल में दो गुट बन गए हैं। एक सरकार को तात्कालिक लाभ पहुंचाना चाहता है तो दूसरा अर्थव्यवस्था को दूरगामी नजरिये से देखता है और उसे अर्थशास्त्र के स्थापित नियमों के अनुसार चलाना चाहता है। यह टकराव आगे क्या रूप लेगा, कहना कठिन है। रिजर्व बैंक का गठन सरकार का मार्गनिर्देशन करने और उसके मनमानेपन पर अंकुश लगाने के लिए किया गया है, न कि उसके पीछे-पीछे चलने के लिए। इसकी स्वायत्तता तो सुनिश्चित की ही जानी चाहिए।

देश में बिजनस करना अब और आसान, 23 पायदान की छलांग

नई दिल्ली (आरएनएस)। ईज ऑफ डूइंग बिजनस रैंकिंग में भारत ने लगातार दूसरे साल लंबी छलांग लगाई है। विश्व बैंक की ओर से जारी सूची में भारत ने 23 पायदान के सुधार के साथ 77वां स्थान हासिल किया है। भारत पिछले साल 100वें स्थान पर रहा था। पिछले दो सालों में भारत की रैंकिंग में कुल 53 पायदान का सुधार आया है। भारत ने इस साल छह अहम मानदंडों में सुधार किया है।

विश्व बैंक की पिछले साल की कारोबार सुगमता रैंकिंग में भारत 30 पायदान की छलांग के साथ 100वें स्थान पर पहुंच गया था। यह एक वर्ष के अंतराल में भारत द्वारा लगाई गई सबसे बड़ी छलांग थी। इसमें 190 देशों को रैंकिंग दी जाती है। नरेंद्र मोदी सरकार के 2014 में सत्ता में आने के समय भारत की रैंकिंग 142 थी। पीएम ने आने वाले सालों में भारत को टॉप 50 देशों की खास लिस्ट में शामिल करने का लक्ष्य दिया है।

विश्व बैंक की यह रैंकिंग 10 मानदंडों मसलन कारोबार शुरू करना, निर्माण परमिट, बिजली कनेक्शन हासिल करना, कर्ज हासिल करना, टैक्स भुगतान, सीमापार कारोबार, अनुबंध लागू करना और दिवाला मामले का निपटान पर आधारित होती है।

वित्त मंत्री अरुण जेटली ने रैंकिंग की घोषणा के दौरान मीडिया से कहा कि जब केंद्र में मोदी सरकार बनी तो हम 142वें स्थान पर थे। पीएम ने टॉप 50 में पहुंचने का लक्ष्य रखा है। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट अक्टूबर में सालाना बैठक के तुरंत बाद आती है। इसमें पिछले साल 1 मई तक के आए रिफॉर्म्स को शामिल किया जाता है। जब यह सरकार सत्ता में आई थी तो 2015 की रिपोर्ट अक्टूबर 2014 में आई थी। वह रिपोर्ट पुरानी सरकार के आधार पर था। 2014 में हम कहा थे और 4 साल में कहां पहुंचे। 5 साल में यदि हम 142 से 50 तक पहुंच जाएं, यह वर्ल्ड बैंक के इतिहास में कभी नहीं हुआ।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री सुरेश प्रभु ने इसे देश के लिए दिवाली का तोहफा बताया और कहा कि सरकार रैंकिंग में सुधार के लिए और प्रयास करेगी।

जानिए कैसे जूता बदल सकता है भाग्य

दुनियाभर में ना जाने कितने ही लोग हैं जो अलग-अलग रंगो और डिजाइन के जूते पहनते हैं ऐसे में हम सभी जूते उसके रंग या डिज़ाइन देखकर पसंद करते हैं और खरीद लेते हैं. लेकिन क्या आप जानते है की जूते भी आपके ग्रहों पर असर डालते हैं कैसे वह हम आपको बताते हैं. कहा जाता है आपके पैरों पर शनि गृह का अधिपत्य होता है और इस कारण आपके जूते भी शनि गृह के आधीन ही होते है और आपके जूतों का रंग, आकर और डिज़ाइन भी इस ग्रह पर जाने अनजाने असर डालता है.

ज्योतिषों के अनुसार नौकरीपेशा लोगों के लिए अपने कार्यक्षेत्र में भूरे या ब्राउन रंग के जूते पहन कर जाना शुभ नहीं माना जाता है.इसी के साथ जो लोग चिकित्सा के क्षेत्र में हैं या लोहे के काम से जुड़े हैं उन लोगों को कभी भी सफ़ेद रंग के जूते नहीं पहनना चाहिए. कहते हैं बैंक में काम करने वाले व्यक्तियों को या अध्यन के क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को भी भूरे रंग के जूते धारण नहीं करना चाहिए.

एम्वे इंडिया ने एयर प्यूरीफायर बाजार में रखा कदम

नई दिल्ली (आरएनएस)। रोजमर्रा की उपभोक्ता उत्पाद बनाने वाली डायरेक्ट सेलिंग कंपनी एम्वे इंडिया ने एयर प्यूरिफिकेशन श्रेणी में कदम रखते हुये अपनी कंज्यूसमर ड्यूरेबल रेंज का विस्तार करने की घोषणा की।

कंपनी ने बुधवार को यहां जारी बयान में कहा कि इसके तहत वह यात्री वाहन प्यूररिफायर श्रेणी में देश का पहला कार एयर ट्रीटमेंट सिस्टम एटमॉस्फियर ड्राइव लॉन्च किया है। उसने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और खराब होती हवा की गुणवत्ता ने खतरा और बढ़ा दिया है। दरअसल कार में हवा की गुणवत्ता बाहर की हवा की गुणवत्ता से 15 गुना बदतर हो सकती है। उसने कहा कि 'एटमॉस्फियर ड्राइव' कार एयर ट्रीटमेंट सिस्टम विश्वस्तरीय उत्पाद है। थ्री-इन-वन फिल्ट्रेशन टेक्नोलॉजी 300 से ज्यादा प्रदूषकों को हटाकर तीन स्तर पर काम करती है।

जांच में सहयोग नहीं दे रहे चिदंबरम, हमें कस्टडी दी जाए : ईडी

नईदिल्ली (आरएनएस)। एयरसेल मैक्सिस केस में पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी चिदंबरम की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं।आज प्रवर्तन निदेशालय ने चिदंबरम की अग्रिम जमानत पर अपने जवाब में कहा कि उन्हें हिरासत में ले कर पूछताछ करने की जरूरत है। ईडी ने अदालत को बताया कि चिदंबरम का रवैया टालमटोल करने वाला रहा है और वह जांच में बिल्कुल भी सहयोग नहीं कर रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने एयरसेल-मैक्सिस धनशोधन मामले में कांग्रेस नेता पी चिदंबरम की अग्रिम जमानत याचिका का दिल्ली की अदालत में विरोध करते हुएकहा कि जमानत दिए जाने से जांच को नुकसान होगा।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एयरसेल-मैक्सिस धन शोधन मामले में बृहस्पतिवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। ईडी ने चिदंबरम पर विदेशी निवेशकों के उद्यमों को मंजूरी देने के लिए उनके साथ सांठगांठ करने का आरोप लगाया है। विशेष न्यायाधीश ओ पी सैनी ने आरोपपत्र पर विचार करने के लिए 26 नवंबर की तारीख तय की। ईडी ने मामले में पहला आरोपपत्र चिदंबरम के पुत्र कार्ती के खिलाफ दायर किया था। बाद में उनके खिलाफ एक पूरक आरोपपत्र भी दायर किया गया था।

बलरामपुर चीनी का दूसरी तिमाही मुनाफा 10 प्रतिशत बढ़कर 91 करोड़ रुपये

नई दिल्ली (आरएनएस)। चीनी मिल कंपनी बलरामपुर चीनी का शुद्ध मुनाफा सितंबर 2018 को समाप्त दूसरी तिमाही में 10 प्रतिशत बढ़कर 90.92 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने नियामकीस सूचना में बीएसई को बताया कि पिछले साल की इसी अवधि में उसका शुद्ध मुनाफा 82.39 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनी की कुल आय बढ़कर 1240.58 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 1,022.69 करोड़ रुपये थी। बलरामपुर चीनी देश की अग्रणी चीनी कंपनी है। उत्तर प्रदेश में इसके कई संयंत्र हैं।

बैडमिंटन : मकाउ ओपन से बाहर हुए सिद्धार्थ, राहुल

मकाउ (आरएनएस)। भारत के पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी सिद्धार्थ सिंह और राहुल चित्तोबोइना मंगलवार को यहां अपने-अपने मुकाबले हारकर मकाउ ओपन से बाहर हो गए हैं। सिद्धार्थ को दूसरे दौर के मुकाबले में चीन के झोउ जेकी ने 21-15, 21-19 से शिकस्त दी जबकि राहुल को पहले दौर के मुकाबले में ही इंडोनेशिया के चिको वारदोयो के खिलाफ 12-21, 11-21 से हार झेलनी पड़ी।

सिद्धार्थ टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की और पहले दौर के मुकाबले में इंडोनेशिया के एंड्रे माट्रीन को 34 मिनट तक चले मुकाबले में सीधे गेमों में 21-19, 21-17 से मात दी। दूसरे दौर में उनका मुकाबला 37 मिनट तक चला।

तिरुवनंतपुरम वनडे : भारत से बराबरी की लड़ाई चाहेगा विंडीज

तिरुवनंतपुरम (आरएनएस)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेली जा रही वनडे सीरीज अब एक रोचक मुकाम पर पहुंच गई है। चार मैचों के बाद हालांकि भारत 2-1 से आगे है, लेकिन गुरुवार को होने वाला आखिरी मैच अगर वेस्टइंडीज के नाम रहता है तो सीरीज का नतीजा ड्रॉ रहेगा।

इस लिहाज से वेस्टइंडीज पूरी कोशिश में होगी कि ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाने वाला यह मैच उसके नाम रहे और वह हारने वाली टीम न कहलाए।

भारत ने पहला मैच अपने नाम किया था तो वहीं वेस्टइंडीज ने दूसरा मैच टाई करा दिया और फिर तीसरे मैच में जीत हासिल करते हुए सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली थी। चौथे मैच में हालांकि भारत ने

एकतरफा जीत हासिल करते हुए बढ़त ले ली थी। पांचवें मैच में मेजबान टीम सुस्ताते हुए नहीं जाना चाहेगी क्योंकि विंडीज ने दूसरे और तीसरे मैच में जिस तरह की क्रिकेट खेली है उससे भारत के लिए चिंताएं बढ़ गई हैं। घर में भारत ने बीते कम से कम दो वर्षों में इस तरह की रोचक सीरीज शायद ही खेली हो।

विंडीज ने खेल के इस प्रारुप में भारत को पटखनी देने का पूरा माद्दा है और इस बात को उसने साबित किया है इसलिए वह पांचवें मैच में आत्मविश्वास के साथ ही उतरेगी। वेस्टइंडीज अगर भारत को इस मैच में हरा देती है तो वह अक्टूबर-2016 से भारत को घर में वनडे सीरीज में दो हार सौंपने वाली पहली टीम बन जाएगी।

भारत को हराना आसान नहीं होगा क्योंकि अभी तक सभी मैचों में उसकी बल्लेबाजी शानदार रही है। गेंदबाजी में शुरुआती तीन मैचों में उसे निराशा मिली थी, लेकिन चौथे मैच में गेंदबाजों ने दमदार खेल दिखाया था।

दिवाली में मेहमानों को खिलाये मिठाई में 'ब्रेड चमचम' इस तारा बनाए अपने घर पर

दिवाली के त्योहार हो और मिठाई की बात ना हो ऐसा तो हो ही नहीं सकता हैं। दिवाली के त्योहार में सुबह हो या शाम मिठाई ही खाने को मिलती हैं। ऐसे में अगर आप भी किसी को स्वादिष्ट मिठाई खिलाने की सोच रहे हैं तो ब्रेड चमचम' का मजा ले सकते हैं। जो स्वाद में बेहतरीन होती है और घर पर बड़ी आसानी से बनाई जा सकती हैं। तो आइये जानते है 'ब्रेड चमचम' बनाने की द्रष्द्धधद्ध के बारे में।

आवश्यक सामग्री-
-ब्रेड स्लाइस 8
-एक छोटी कटोरी मावा
-नारियल का बुरादा 100 ग्राम
-एक कप चीनी
-फूड कलर पीला
-दो बड़ा चीनी बूरा
-आधी छोटी कटोरी बादाम-पिस्ता (बारीक कटे हुए)
-एक छोटा चम्मच इलायची पाउडर
-आधी छोटी कटोरी बादाम-पिस्ता (बारीक कटे हुए)

बनाने की विधि-

सबसे पहले मीडियम आंच में एक पैन में पानी और चीनी डालकर एक तार की चाशनी बना लें। धीमी आंच में एक दूसरे पैन में मावा भूनें और फिर इसमें चीनी बूरा, इलायची पाउडर और आधी कटोरी मेवे मिलाएं।

अब ब्रेड को छोटे-छोटे गोलाकार में काट लें।

तैयार चाशनी में पीला रंग मिला लें।

कटे हुए ब्रेड स्लाइस को चाशनी में डूबोकर निकालें और दबा लें।

दो स्लाइस के बीच मावा का मिश्रण रखें।

दोनों तरफ से नारियल के बुरादे से लपेटकर मेवे के कतरन से गार्निश कर सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-76

बाएं से दाएं
1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे
1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

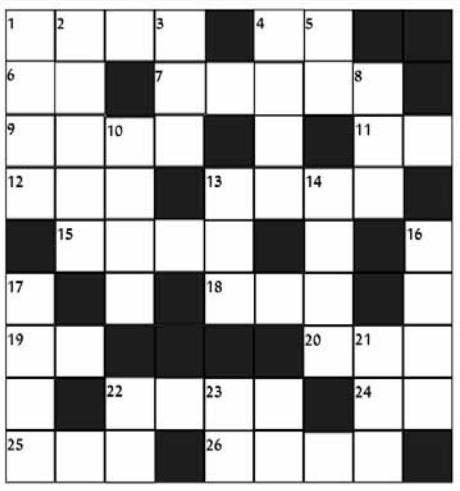

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 75 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

सू-दोकू-75

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.75का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2	6	1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

आज का राशिफल

मेषः भवन या भूमि की खरीददारी के लिए समय अच्छा है। दिन के दूसरे प्रहर में खर्चे बढ़ेंगे और विरोधी पक्ष आपको परेशान कर सकते हैं।

वृषभः आज परिस्थितियों में तेजी से बदलाव महसूस करेंगे। कई बार ऐसा मालूम होगा जैसे सबकुछ आपको प्रतिकूल हो रहा है। मानसिक तनाव बढ़ सकता है।

मिथुनः दूसरों के मामले में ज्यादा दखल न दें अन्यथा मानहानि हो सकती है। जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

कर्कः घरेलू जीवन को लेकर मन के भीतर उथल-पुथल रह सकती है। दिन के दूसरे प्रहर में तनाव बढ़ सकता है। गृहस्थ जीवन में परेशानियों का अनुभव होगा।

सिंहः आपके खर्चे कम हो जाएंगे फलस्वरूप मानसिक शांति का अनुभव करेंगे। संतान पक्ष को लेकर कुछ चिन्ता रह सकती है।

कन्याः माता की सेहत को लेकर कुछ चिंतित रह सकते हैं। आर्थिक मामलों में दिन अनुकूल रहेगा। अपने प्रयास से धन संचय कर पाने में सफल होंगे।

तुलाः खान-पान और अपनी दिनचर्या का ध्यान रखना जरूरी होगा अन्यथा स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। काम करने में सुख व सफलता प्राप्ति के योग हैं।

वृश्चिकः आप कम समय में अधिक काम करने में कामयाब हो सकते हैं क्योंकि इस समय आपकी हिम्मत और पुरुषार्थ शक्ति बढ़ी हुई रहेगी।

धनुः व्यवसाय में पहले से अधिक लाभ प्राप्त होगा। माता पक्ष से सहयोग मिलेगा। संतान से संबंधित विषयों को लेकर चिंतित और परेशान रह सकते हैं।

मकरः आज का दिन उलझन भरा हो सकता है। विरोधी प्रभावी रहेंगे। अनिर्णय की स्थिति रहेगी। संयम और समझदारी से काम लें, स्थितियों को अनुकूल बनाने में सफल होंगे।

कुंभः इस समय आपको हर काम संयम से करना चाहिए। व्यवसाय में संघर्ष के बाद सफलता मिलेगी। धन लाभ व बचत के अच्छे योग हैं।

मीनः घरेलू मामलों में कुछ हद तक परेशानियां रह सकती हैं। माता की सेहत को लेकर चिंतित हो सकते हैं। परिवार में आपसी तालमेल एवं सौहार्द की कमी महसूस करेंगे।